6 तूफ़ानों की ओर

शिवमंगल सिंह 'सुमन'

5 अगस्त, 1915 को ग्राम झगरपुर, जिला उन्नाव, उत्तर प्रदेश में।
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से एम.ए., पीएच.डी.।
अनेक अध्ययन संस्थाओं, विश्वविद्यालयों तथा हिन्दी संस्थान में उच्चतम पदों पर कार्य किया तथा अनेक देशों की यात्रा की।
1974 में 'मिट्टी की बारात' पर साहित्य अकादमी तथा 1993 में भारत-भारती पुरस्कार से सम्मानित। 1974 में भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित।
हिल्लोल, जीवन के गान, युग का मोल, प्रलय-सृजन, विश्व बदलता ही गया, विंध्य हिमालय, मिट्टी की बारात, वाणी की व्यथा, कटे अँगूठों की बंदनवारें।
उद्यम और विकास, प्रकृति पुरुष कालिदास।

प्रस्तुत कविता में कवि शिवमंगल सिंह 'सुमन' ने सदा संघर्षमय रहकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी है। जिस तरह आग में रहकर सोना निखरता है, उसी तरह बाधाएँ हमें जीने की नई राह दिखाती हैं तथा आगे बढ़ने के लिए हमारे इरादों को मजबूत बनाती हैं।

इस कविता में धैर्य, गतिशीलता, साहस और संघर्षरत रहना जैसे मूल्य उजागर किए गए हैं।

तूफ़ानों की ओर घुमा दो, नाविक निज पतवार।

आज सिंधु ने विष उगला है;
लहरों का यौवन मचला है;
आज हृदय में और सिंधु में
साथ उठा है ज्वार।
तूफ़ानों की ओर घुमा दो, नाविक निज पतवार।

लहरों के स्वर में कुछ बोलो,
इस अंधड़ में साहस तोलो।
कभी-कभी मिलता जीवन में
तूफ़ानों का प्यार।
तूफ़ानों की ओर घुमा दो, नाविक निज पतवार।

यह असीम, निज सीमा जाने,
सागर भी तो यह पहचाने।
मिट्टी के पुतले मानव ने
कभी न मानी हार।
तूफ़ानों की ओर घुमा दो, नाविक निज पतवार।

सागर की अपनी क्षमता है,
पर माँझी भी कब थकता है,
जब तक साँसों में स्पंदन है,
उसका हाथ नहीं रुकता है,
इसके ही बल पर कर डाले
सातों सागर पार।
तूफ़ानों की ओर घुमा दो, नाविक निज पतवार।

शब्दार्थ

नाविक नाव चलानेवाला, मल्लाह, माँझी **निज** अपना **पतवार** नाव चलाने वाली लकड़ी, चप्पू **ज्वार** तूफ़ान (समुद्रमें पानी का बढ़ना) **अंधड़** आँधी **असीम** सीमाहीन (जिसकी कोई सीमा न हो) **क्षमता** शक्ति, योग्यता **स्पंदन** चेतना, धड़कन **बल पर** सहारे

अभ्यास

प्रश्न 1. शुद्ध उच्चारण कीजिए :

तूफ़ान, सिंधु, यौवन, हृदय, अंधड़, मिट्टी, स्पंदन

प्रश्न 2. 'तूफ़ानों की ओर...' इस काव्य का समूहगान कीजिए।

प्रश्न 3. प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :

(1) ''तूफ़ानों की ओर घुमा दो नाविक निज पतवार'' ऐसा कवि ने क्यों कहा है?

(2) ''सागर भी तो यह पहचाने'' में क्या पहचान ने की बात कही गई है?

(3) समस्या आने पर हमें क्या करना चाहिए?

(4) ''इस अंधड़ में साहस तोलो'' का क्या अर्थ है?

प्रश्न 4. कविता को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

किताबें कुछ कहना चाहती हैं...

किताबों में चिड़ियाँ चहचहाती हैं।
किताबों में खेतियाँ लहलहाती हैं।
किताबों में झरने गुनगुनाते हैं।
परियों के किस्से सुनाती हैं।
किताबों में रॉकेट का राज़ है।
किताबों में साइंस की आवाज़ है।
किताबों का कितना बड़ा संसार है।
किताबों में ज्ञान की भरमार है।
क्या तुम इस संसार में
नहीं जाना चाहोगे?
किताबें कुछ कहना चाहती हैं।
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं।

(1) प्रश्न के उचित विकल्प पर ✓ का निशान लगाइए :

(क) किताबों में कौन चहचहाता है?

तोता ☐ मोर ☐ चिड़ियाँ ☐

(ख) किताबें किसके किस्से सुनाती हैं?

राजा ☐ परियाँ ☐ किसान ☐

(ग) किताबों में किसके लहलहाने की बात है?

खेतियाँ ☐ झरनें ☐ बाग ☐

(2) नीचे दिए हुए शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

परियाँ, किस्सा, संसार, भरमार

(3) प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) किताबों में क्या-क्या है?

(ख) हमें किताबें क्यों पढ़नी चाहिए?

(ग) "किताबों में ज्ञान की भरमार है।" ऐसा कवि ने क्यों कहा है?

(घ) इस काव्य का उचित शीर्षक दीजिए।

प्रश्न 5. चित्र देखकर नीचे दिए गए शब्दों की मदद से छोटी-सी कहानी बनाकर अपने वर्ग में सुनाइए :

सुबह, घर, मेला, खिलौनेवाला, ढ़ेर सारे, बच्चे, जगाना, खरीदा, खुश, मुर्गा, रात, बक्सा, बाँग

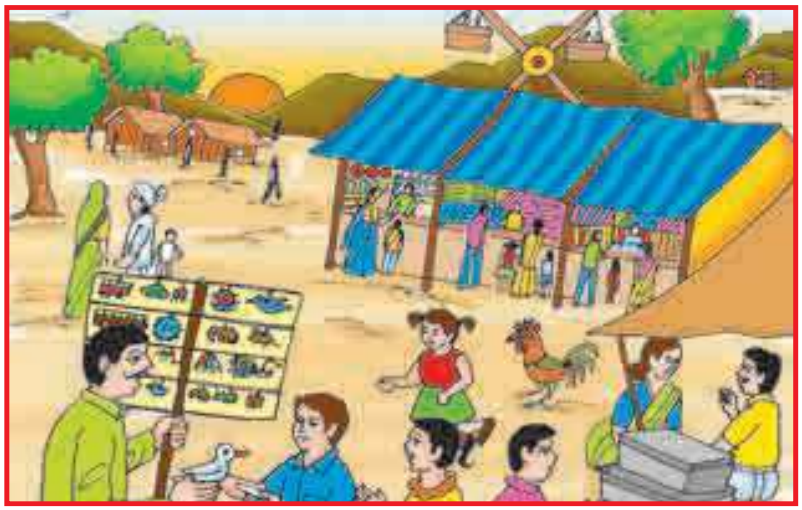

प्रश्न 6. आपके गाँव में बाढ़ आए तब उस समय आप क्या करेंगे ? गाँव छोड़कर चले जायेंगे या गाँववालों की मदद करेंगे ? अपने विचार कारण सहित बताइए।

प्रश्न 7. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के विशेषण बनाइए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(1) उनकी ईमानदारी से सारा नगर परिचित है।

(2) हमारी अमीरी लोगों को उपयोगी होगी ।

(3) हिमालय पर्वत की ऊँचाई देखने लायक है।

(4) लक्ष्मीबाई वीरता पूर्ण लड़ी।

(5) दूसरों की बुराई करना पाप है।

प्रश्न 8. कहावतों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(1) उलटा चोर कोतवाल को डाँटे।

(2) न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी।

(3) चार दिन की चाँदनी फिर अंधेरी रात।

(4) अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत।

स्वाध्याय

प्रश्न 1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) कवि ने मनुष्य की किस विशेषता की ओर इशारा किया है ?

(2) ज्वार कहाँ-कहाँ उठा है ?

(3) समुद्र ने कैसा रूप धारण किया है?

(4) कवि ने मनुष्य को मिट्टी का पुतला क्यों कहा है?

(5) माँझी का हाथ कब तक नहीं रुकता है ?

प्रश्न 2. इस कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।

योग्यता विस्तार

- इस कविता में कवि ने मनुष्य को संघर्ष से विमुख न होकर जीवन संग्राम में जुड़े रहने की प्रेरणा दी है। इसी विचारधारा के आधार पर अपने कक्षाकक्ष में बातचीत कीजिए।
- कक्षाकक्ष में कुछ ऐसी कविताओं को सुनाइए, जिनमें परिश्रम, धैर्य और सहयोग तथा प्रसन्न रहने की बात कही गई हो।
- अपने जीवन में ऐसी स्थिति आई हो जिसमें आपको बड़ी मुश्किल का सामना करना पड़ा हो। आपने अपनी मुश्किल कैसे हल की? लिखिए।